मंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर कोयले का आवंटन

944. डा० अबरार अहमद : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें बिना बारी के प्राथमिकता के आधार पर कोयले का आवंटन करने का अधिकार है और यदि हां, तो जिन पक्षों का आवंटन किया गया है, उनका ब्यौरा क्या है और जून 1991 से उन्हें कोयले की कितनी मात्रा का आवंटन किया गया है ;

(ख) ऐसे आवंटन के लिये क्या मानदंड अपनाये गये हैं ; और

(ग) इस समय कोयला-खानवार मासिक उत्पादन कितना है और इसकी मासिक मांग कितनी है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी०ए० संगमा) : (क) और (ख) कोयले का कोई विशेष कोटा विद्यमान नहीं है, जिसके अन्तर्गत मंत्री महोदय द्वारा कोयले का आवंटन किया जा सके । कोयला कम्पनियों के पास उपभोक्ताओं को कोयला जारी किये जाने के संबंध में एक निर्धारित प्रक्रिया विद्यमान है । कोयले की नियमित रूप से आपूर्ति की व्यवस्था केवल वास्तविक उपभोक्ताओं के लिये संबद्ध प्राधिकृत प्राधिकारियों द्वारा जारी वैध प्रायोजन के एवज में की जाती है ।

(ग) अप्रैल से अक्तूबर, 1991 की अवधि के दौरान देश में कोयले का औसतन मासिक उत्पादन 15.89 मि० टन रहा । वर्ष 1991-92 के लिये कुल मूल्यांकित मांग 239.10 मि० टन कच्चे कोयले की है अर्थात् प्रतिमाह औसतन 19.92 मि० टन कोयला ।

Fire in the Jharia Coalfields

945. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether a team of some Indian mining experts of Coal India Limited recently undertook a two weeks visit to U.S.A. to explore effective means to put down the Jharia Coalfields fire;

(b) what is the quantity and estimated value of prime coking coal being daily burnt at Jharia coalfields;

(c) what is the estimated amount being spent presently on the import of coking coal in face of serious foreign reserve crunch in the country;

(d) whether these experts have been successful to bring the technology on combating fire in the mines in Jharia Coalfields; and

(e) if so, whether any start has been made in employment of this technology to extinguish Jharia Coalfields fire and also to save the town from impending disaster?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA): (a) Yes, Sir. A team of 4 mining engineers from Bharat Coking Coal Limited and Central Mine Planning and Design Institute Limited was deputed to visit U.S.A., for two weeks to examine available technologies to control fire in Jharia Coalfields.

(b) It is difficult to make precise estimates of loss of coal reserves caused by fires in Jharia Coalfields. However, the coal company has estimated that coal reserves to an extent of about 37 million tonnes valued at Rs. 1110 crores at current price might have been damaged in these fires.

(c) According to information given by Ministry of Steel, the approximate cost of imports of coking coal including